Literacy for a Billion

Movie: Gumnaam
Year: 1965

Song: Gumnaam Hai Koi
Lyricist: Hasrat Jaipuri

गुमनाम है कोई
बदनाम है कोई
किसको ख़बर
कौन है वो
अनजान है कोई

गुमनाम है कोई
बदनाम है कोई
किसको ख़बर
कौन है वो
अनजान है कोई
गुमनाम है कोई

किसको समझें हम अपना
कल का नाम है इक सपना
किसको समझें हम अपना
कल का नाम है इक सपना
आज अगर तुम ज़िन्दा हो
तो कल के लिए
कल के लिए माला जपना

गुमनाम है कोई
बदनाम है कोई
किसको ख़बर
कौन है वो
अनजान है कोई
गुमनाम है कोई

पल दो पल की मस्ती है

बस दो दिन की बस्ती है
पल दो पल की मस्ती है
बस दो दिन की बस्ती है
चैन यहाँ पर महँगा है
और मौत यहाँ
मौत यहाँ पर सस्ती है

गुमनाम है कोई
बदनाम है कोई
किसको ख़बर
कौन है वो
अनजान है कोई
गुमनाम है कोई

कौन बला तूफ़ानी है
मौत को खुद हैरानी है
कौन बला तूफ़ानी है
मौत को खुद हैरानी है
आए सदा वीरानों से
जो पैदा हुआ
पैदा हुआ वो पानी है

गुमनाम है कोई
बदनाम है कोई
किसको ख़बर
कौन है वो
अनजान है कोई

गुमनाम है कोई

बदनाम है कोई
किसको ख़बर
कौन है वो

अनजान है कोई
गुमनाम है कोई

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*